University in News on 22 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : दीक्षांत सप्ताह में इस बार पुस्तक मेला भी लगेगा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को प्रस्तावित है। दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत 4 व 5 दिसंबर को पुस्तक मेला का आयोजन होगा। इसमें 20 से अधिक बुकसेलर स्टॉल लगाएंगे।

कोर्स से साहित्य तक की पुस्तकें रहेंगी उपलब्ध

पुस्तक मेले के आयोजक और मानद लाइब्रेरियन प्रो. डीआर साहू ने बताया कि दीक्षांत सप्ताह में बुक फेयर के लिए कुलपति की ओर से हरी झंडी मिल गई है। यह मेला टैगोर लाइब्रेरी के बाहर ग्राउंड में लगेगा। इसके लिए यूनिवर्सल समेत 20 से अधिक बुक सेलरों से बातचीत की गई है। उन्होंने बताया कि मेले में विद्यार्थी कोर्स से लेकर रेफरेंस बुक तक खरीद सकेंगे। साहित्य की पुस्तकें भी होंगी। इसमें कई बड़े प्रकाशकों की किताबें होंगी। मेले में आमजन भी शामिल हो सकेंगे।

ऑनलाइन भी मंगा सकेंगे किताबें

प्रो. साहू ने बताया कि पुस्तक मेले के स्टॉल से विद्यार्थी अपनी कोर्स बुक या अन्य किताबें ऑनलाइन भी बुक करवाकर मंगवा सकेंगे।

टैगोर लाइब्रेरी का कर सकेंगे गाइड टूर

दीक्षांत सप्ताह के दौरान एक से सात दिसंबर तक लविवि के सभी संग्रहालय और टैगोर पुस्तकालय आम लोगों के लिए खुला रहेगा। इसमें आने वाले लोगों और विवि के एल्युमिनाई को यहां के कर्मचारी टैगोर पुस्तकालय का गाइड टूर कराएंगे। इसमें वह प्राचीन पांडुलिपियों से लेकर अन्य धरोहरें देख सकेंगे।

लविवि : कुलपति पदक के लिए छह ने दिया साक्षात्कार

संवाद न्यूज एजेंसी

मुख्य पदकों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी, कल खुलेगा लिफाफा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले तीनों मुख्य पदकों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंगलवार को कुलपति पदक लिए हुए साक्षात्कार में छह दावेदारों ने हिस्सा लिया। इसमें पांच का ऑफलाइन और एक छात्र का ऑनलाइन साक्षात्कार हुआ।

कुलपति पदक के लिए हुए साक्षात्कार में छह अलग-अलग बटालियनों से उनके कमांडरों ने छात्रों के नाम भेजे थे। साक्षात्कार समिति में परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी व डीन कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी समेत अन्य सदस्यों ने पदक के दावेदारों से सवाल किए। इन सभी के साक्षात्कार के बाद लिफाफा बंद कर दिया गया जो बृहस्पतिवार तक सार्वजनिक किया जा सकता है। लविवि का कुलपति पदक विवि के सबसे उत्कृष्ट एनसीसी कैडेट को दिया जाता है। अन्य अहम पदकों चांसलर मेडल, चक्रवर्ती मेडल के लिए सोमवार को इंटरव्यू हो चुका है।

फार्मा के क्षेत्र में नए अवसर

लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आगाज

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ विवि में दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में मौजूद कुलपति व अन्य। संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में मंगलवार को दो दिवसीय ड्रग डवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया राजीव सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में फार्मा क्षेत्र ने नए व्यावसायिक अवसरों को उजागर किया है। फार्मा पार्क एक उत्तम निवेश का अवसर हो सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने की।

पहले दिन कॉन्फ्रेंस में कई तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें फार्मा के क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इसकी प्रगति और निवेश पर विचार रखे। कार्यक्रम में मेडेइरा विश्वविद्यालय (फ्रांस) के प्रो. सर्जे ने ऑन्कोलॉजी में नवीन नैनोमेडिसिन के रूप में नैनोड्रग्स को विकसित करने के लिए ट्यूनेवल फॉस्फोरस डेंड्रिमर की महत्ता के बारे में बताया। मिसिसिपी (अमेरिका) के प्रो. एस. नरसिम्हा मूर्ति ने त्वचा की अवरोधक क्षमता पर हालिया दृष्टिकोण पर चर्चा की।

एमडी ऑस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. विनय सैनी डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के पूर्व निदेशक डॉ. एनके जैन, जर्मनी के डॉ. योगेश बाछव, आईआईटी बीएचयू के प्रो. सुशांत श्रीवास्तव, सीआरएस इंडियन चैप्टर, आईसीटी, मुंबई की प्रो. वंदना, डॉ. ए. रमा किशन, सीबीएमआर के डायरेक्टर डॉ. आलोक धवन मौजूद रहे।

कांफ्रेंस विज्ञान और तकनीकी संकाय, भारत सरकार, उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सन फार्मास्युटिकल्स और जेनोवा बाइफार्मासिटिकल्स की ओर से किया गया था। देश-विदेश के 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राज्यपाल के जन्मदिन पर बांटी पोषण किट

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जन्मदिन पर मंगलवार को लविवि के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने मंगलवार को हनुमान सेतु मंदिर पर निर्धनों को पोषण किट का वितरण किया। इसके साथ ही सभी को पौष्टिक आहार और दैनिक खानपान के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर समाजकार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारती समेत अन्य लोग मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

कुलपति पदक के लिए छह छात्रों का साक्षात्कार

दीक्षांत

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में कुलपति स्वर्ण पदक के लिए छह छात्रों ने साक्षात्कार दिया। इससे प्रतिष्ठित पदकों के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी हो गई है। गुरुवार को लिफाफा खुलने की उम्मीद जताई है।

एलयू के 66वें दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले कुलपति स्वर्ण पदक के लिए छह अलग-अलग बटालियनों से उनके कमांडरो ने छात्रों के नाम भेजे थे। जिन्हें मंगलवार को समिति ने साक्षात्कार के लिए बुलाया था। छह छात्रों ने साक्षात्कार दिया। इसमें पांच छात्रों ने परिसर पहुंचकर और ऑनलाइन माध्यम से एक विद्यार्थी ने प्रतिभाग किया। समिति ने विद्यार्थियों के एकेडमिक रिकार्ड, सोशल एक्टीविटी, एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटी और एनसीसी, एनएसएस के रिकॉर्ड देखे। उन्होंने हर एक छात्र को अलग-अलग बुलाकर प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों ने समिति के प्रश्नों का जवाब दिया। इसके बाद लिफाफा बंद कर दिया गया। जो गुरूवार तक सार्वजनिक किया जा सकता है।

समारोह का लाइव प्रसारण किया जाएगा

एलयू के 66वें दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण किया जाएगा। 6 दिसंबर को आयोजित होने वाले दीक्षांत में पूरे कार्यक्रम को विवि के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकेगा। जिससे घर बैठा कोई भी व्यक्ति एलयू के दीक्षांत समारोह में शामिल हो सकेगा। इसके अलावा, विवि की ओर से दीक्षांत सप्ताह के दौरान पुस्तक मेला भी लगाने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार जिसे 28 से सात दिसंबर तक टैगोर लाइब्रेरी की ओर से लगाया जाएगा। जिसमें आम जनता किसी भी पुस्तक को खरीद सकेगी।

जलवायु परिवर्तन पर सम्मेलन 23 नवम्बर से

एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के साथ 23 से 25 नवम्बर तक आयोजित होने वाले सम्मेलन में लगभग 12 प्रदेशों से कई प्रतिभागी भाग लेंगे। इसमें मुख्यतः असम, यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब और कश्मीर के लोग शामिल रहेंगे।

एलयू के भैषजिक विज्ञान संस्थान में मंगलवार से सम्मेलन का आगाज हुआ।

नवीन नैनोमेडिसिन में नैनोड्रग्स का महत्व बताया

लखनऊ। एलयू के भैषजिक विज्ञान संस्थान में विज्ञान व तकनीकी संकाय, यूपी काउंसिल ऑफ साइंस एवं टेक्नोलॉजी की ओर से ड्रग डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत हुई। यहां मेडेइरा विवि, फ्रांस के प्रो. सर्जे ने ऑन्कोलॉजी में नवीन नैनोमेडिसिन में नैनोड्रग्स को विकसित करने के लिए ट्यूनेबल फॉस्फोरस डेंड्रिमर की महत्ता के बारे में बताया।

i-NEXT PAGE 3

ट्यूनेबल फॉस्फोरस डेंड्रिमर है काफी अहम

लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेकंड कैम्पस में शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस सीडी4

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (21 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के फार्मास्यूटिकल साइंसेज में मंगलवार को दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी की शुरुआत हुई. कार्यक्रम की शुरुआत लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में नए परिसर के विश्वकर्मा ऑडिटोरियम में हुई. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया रहे. कॉन्फ्रेंस के संयोजक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सम्मान किया. कार्यक्रम में डॉ. जीएन सिंह, मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार उत्तर प्रदेश सरकार व पूर्व डीसीजीआई, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे. फ्रांस के प्रो. सर्जे मिगनानी ने अपना कीनोट एड्रेस प्रस्तुत किया. लखनऊ यूनिवर्सिटी कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कॉन्फ्रेंस की अहमियत पर चर्चा की. पहले दिन 11 साइंटिफिक सेशन का आयोजन किया गया. 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया. मुख्य अतिथि ने फार्मा सेक्टर में रिसर्च एवं इनवेस्टमेंट को बढाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से शोध छात्रों को अवगत कराया.

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

25 से अधिक वक्ता रहे मौजूद

सत्र के पहले मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉक्टर सर्जे (मेडेइरा विश्वविद्यालय, फ्रांस) ने ऑन्कोलॉजी में नवीन नैनोमेडिसिन के रूप में नैनोड्रग्स को विकसित करने के लिए ट्यूनेबल फॉस्फोरस डेंड्रिमर की महत्ता के बारे में बताया. वहीं, प्रोफेसर एस नरसिम्हा मूर्ति (मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, मिसिसिपी, संयुक्त राज्य अमेरिका) ने त्वचा की अवरोधक क्षमता पर हालिया दृष्टिकोण पर अपने विचार रखे. डॉक्टर एन के जैन (पूर्व निदेशक, डॉ. हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर) ने नवीन दवा वितरण प्रणाली के रूप में क्वांटम डॉट्स पर अपने विचार रखे. डॉ. योगेश बाछव (निदेशक एआई क्यूरिस, फ्रीडरिच, जर्मनी के अलावा, सुशांत कुमार श्रीवास्तव (प्रोफेसर, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) ने अल्जाइमर रोग के उपचार के लिए बेंजलिपाइपरजीन से जुड़े रोग संशोधित एजेंट की भूमिका का व्याख्यान दिया. इसके अलावा अन्य सत्रों में भी लिपिड-आधारित नैनोमेडिसिन, बायोडेन्ड्रिमर-कॉस्मेटिक अनुप्रयोग के लिए रेस्वेराट्रोल फॉर्मूलेशन जैसे विषयों पर चर्चा की. कॉन्फ्रेंस में देश व विदेश से 25 से अधिक वक्ता ने अपना व्याख्यान दिया.

राज्यपाल के जन्मदिन पर हुई केक कटिंग सेरेमनी

कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जन्मदिन के मौके पर केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया. इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया.

इन्होंने रखे अपने विचार

पैनल डिस्कशन, इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटी इन दा फार्मा पार्क ऑफ उत्तर प्रदेश में डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया, डॉ. आलोक धवन, डायरेक्टर सीबीएमआर, शिव प्रसाद, विशेष सचिव विज्ञान एवं तकनीकी, ए मनीकानंदन आईएएस सीडीओ आगरा, अतुल श्रीवास्तव रीजिनल डायरेक्टर पीएचडी चेम्बर ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्री इंडिया शामिल हुए.

JAGRAN CITY PAGE III

स्थापना दिवस का होगा सीधा प्रसारण

लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिया जाएगा लिंक, आनलाइन देख सकेंगे

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के 103वें स्थापना दिवस समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा। विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर यू-ट्यूब का लिंक अपलोड करेगा, जिसे क्लिक करके कोई भी आनलाइन माध्यम से इसे देख सकेगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की ओर से इसके निर्देश दिए जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय मालवीय सभागार में होने वाले स्थापना दिवस समारोह में इस बार सात पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित करेगा। समारोह को लेकर बनाई गईं कमेटी तैयारियों में लगी हैं। समारोह का सजीव प्रसारण होगा ताकि देश-विदेश में बैठे पूर्व छात्र-छात्राएं भी इसे देख सकें। मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार में शिक्षा राज्य मंत्री एवं झारखंड के कोडरमा से लोक सभा सदस्य अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहेंगी। समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी विशिष्ट काफी टेबल बुक भी लांच करेगा।

भव्य तरीके से सजाया गया कला संकाय प्रांगण: लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के लिए तेजी से तैयारियां चल रही हैं। कैंपस के कला प्रांगण परिसर को मंगलवार को बिजली की झालरों से भव्य तरीके से सजाया गया है। हिंदी विभाग से लेकर पर्शियन विभाग के कोने तक रंगीन लाइटें लगी हैं। सजावट के बाद कई छात्र सेल्फी भी लेते नजर आए।

विज्ञान संकाय के विभागों में भी होगा आयोजन: लवि में छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह से पहले दीक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियां चल रही हैं। मंगलवार को विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर विभूति राय ने कई विभागों से इस दौरान कार्यक्रम के आयोजन को लेकर वार्ता की। उन्होंने बताया कि आयोजन में लेक्चर, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग से लेकर लोगों को लैब का भ्रमण भी कराया जाएगा। जंतु विज्ञान विभाग, भू-गर्भ विज्ञान, एंथ्रोपोलाजी, एआइएच सहित कई जगह के संग्रहालय भी आम लोगों के लिए खोले जाएंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 103वें स्थापना दिवस समारोह के लिए कला संकाय प्रांगण को भव्य तरीके से सजाया गया ● सौजन्य से लवि

कुलपति गोल्ड मेडल के लिए हुआ साक्षात्कार

जासं, लखनऊ: दीक्षा समारोह में दिए जाने वाले कुलपति गोल्ड मेडल (एनसीसी बेस्ट कैडेट) के चयन के लिए मंगलवार को साक्षात्कार हुए। इनमें छह कैडेट्स शामिल हुए। एक कैडेट बाहर होने की वजह से आनलाइन मोड से शामिल हुआ। अब एक से दो दिन में कुलपति के अनुमोदन के बाद फाइनल सूची जारी हो जाएगी।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

जासं, लखनऊ : लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 23 से 25 नवंबर तक होगा। लवि और चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस सम्मेलन का विषय "जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान" रहेगा। सम्मेलन में देश के चुनिंदा प्रतिष्ठित वनस्पति विज्ञानी और कृषि वैज्ञानिक के साथ-साथ असम, यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, और कश्मीर सहित 12 प्रदेश के कई प्रतिभागी शामिल होंगे। सम्मेलन के आयोजक सचिव वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष, प्रो. मुन्ना सिंह, और सह-संचालक सचिव, प्रो. पीके टंडन, प्रो. गौरी सक्सेना और प्रो. शालिनी श्रीवास्तव हैं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कृषि में सतत विधियों का अन्वेषण करना, पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करना और स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझना है।

विद्यार्थियों ने मूट कोर्ट में जीता अवार्ड

जासं, लखनऊ : गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहर बिहार के नारायण स्कूल आफ ला की मूट कोर्ट सोसाइटी की ओर से दूसरी देव मंगल मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ मेमोरियल अवार्ड जीता है। विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बताया कि पुरस्कार जीतने वालों में एल.एल.बी पांच वर्षीय कोर्स में दूसरे वर्ष की छात्रा आयुषी द्विवेदी, रिया मिश्रा व नीलांश पाठक शमिल हैं। छात्र को पटना के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसएन झा ने यह सम्मान दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि में अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान संस्थान में दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के तहत कॉन्फ्रेंस ऑन ड्रग डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी का शुभारम्भ लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में नए परिसर के विश्वकर्मा सभागार में प्रारम्भ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अथिति डॉ.राजीव सिंह रघुवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया रहे। कॉन्फ्रेंस के संयोजक प्रो.पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में डॉ.जीएन सिंह, मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार तथा पूर्व डीसीजीआई, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। फ्रांस के प्रो.सर्ज मिगनानी ने अपना कीनोट एड्रेस प्रस्तुत किया। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कॉन्फ्रेंस की व्याख्या प्रस्तुत की और अतिथियों को धन्यवाद दिया। देश-विदेश के 1000 से अधिक प्रतिभागियों को इस कांफ्रेंस की उपयोगिता वर्णित की। कॉन्फ्रेंस के पहले पैनल डिस्कसन, इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी इन द फार्मा पार्क आफ उत्तर प्रदेश में डॉ.राजीव सिंह रघुवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया, डॉ.आलोक धवन, डायरेक्टर सीबीएमआर, शिव प्रसाद, विशेष सचिव विज्ञान एवं तकनीकी, ए मनीकानन्दन आईएएस सीडीओ आगरा, अतुल श्रीवास्तव रीजिनल डायरेक्टर पीएचडी चेम्बर ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्री इंडिया, पैनलिस्ट रहे। पैनलिस्ट डॉ.राजीव सिंह रघुवंशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में फार्मा उद्योग को विकसित करने के लिये विभिन्न बिन्दुओं पर अपने विचार व्यक्त किये। सत्र के सेशन चेयर डॉ.जीएन सिंह, मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार उत्तर प्रदेश सरकार ने फार्मा सेक्टर में रिसर्च एवं इनवेस्टमेंट को बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से शोध छात्रों को अवगत कराया।

लविवि में कृषि वैज्ञानिकों का लगेगा जमावड़ा

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान विषय पर एक आकर्षक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 23 से 25 नवंबर के बीच किया जा रहा है। उक्त सम्मेलन लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग और चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होगा। इस सम्मेलन के आयोजक सचिव वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष, प्रो.मुन्ना सिंह और सह-संचालक सचिव, प्रो.पीके टंडन, प्रो. गौरी सक्सेना और प्रो.शालिनी श्रीवास्तव हैं। सम्मेलन में करीब 12 प्रदेशों से कई प्रतिभागी भाग लेंगे। जिनमें असम, यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब और कश्मीर आदि शामिल हैं। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कृषि में सतत विधियों का अन्वेषण करना, पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करना और स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझना है। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश के चुनिंदा प्रतिष्ठित वनस्पति विज्ञानी व कृषि वैज्ञानिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे और पर्यावरण संरक्षण और अनुभवों के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि,कानपुर के कुलपति प्रो.एके सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के चेयरमैन डॉ.संजय कुमार है। गुजरात केन्द्रीय विवि के कुलपति, प्रो.आरएस दुबे और भारतीय कृषि बायोकेमिस्ट सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो.एसएल मेहता, महासचिव डॉ.जीपी श्रीवास्तव विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। सम्मेलन में प्रो.अब्सार अहमद, निदेशक इंटरडिसिप्लिनरी नैनोटेक्नोलॉजी केंद्र,अलीगढ़ मुस्लिम विवि, अलीगढ़ की नोट स्पीकर हैं। वहीं करीब 400 प्रतिभागियों द्वारा इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

LOKSATYA PAGE 3

फार्मा उद्योग के विकास के बिंदुओं पर रखे विचार

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान संस्थान में दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन ड्रग डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी की शुरुआत हुई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में नए परिसर के विश्वकर्मा ऑडिटोरियम में हुआ। मुख्य अथिति जनरल ऑफ़ इंडिया के ड्रग कंट्रोलर डॉ राजीव सिंह रघुवंशी रहे। संयोजक प्रो पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने अतिथियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ जीएन सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। फ्रांस के प्रो सर्ज मिगनानी ने अपना कीनोट एड्रेस पेश किया। प्रो आलोक कुमार राय ने कांफ्रेस की व्याख्या प्रस्तुत की। देश-विदेश के 1000 से अधिक प्रतिभागियों को कांफ्रेंस की उपयोगिता बताई। पैनल डिस्कसन, इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी इन दा फार्मा पार्क आफ उत्तर प्रदेश में डॉ राजीव सिंह रघुवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ़ इंडिया, डॉ आलोक धवन, डायरेक्टर सीबीएमआर, शिव प्रसाद, विशेष सचिव विज्ञान व तकनीकी, ए मनीकानन्दन आईएएस सीडीओ आगरा, अतुल श्रीवास्तव रीजिनल डायरेक्टर पीएचडी चेम्बर ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्री इंडिया पैनलिस्ट रहे। पैनलिस्ट डॉ राजीव सिंह रघुवंशी ने बताया कि उत्तर प्रदेश मे फार्मा उद्योग को विकसित करने के लिये विभिन्न बिन्दुओं पर अपने विचार व्यक्त किये।

सत्र के सेशन चेयर मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ जीएन सिंह ने फार्मा सेक्टर में रिसर्च एवं इनवेस्टमेंट को बढाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से शोध छात्रों को बताया। कांफ्रेंस में देश विदेश के 25 से अधिक वक्ता अपना व्याख्यान देंगे।

लविवि के छात्र ने जीता श्रेष्ठ मेमोरियल

लखनऊ। दूसरी देव मंगल मेमोरियल राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमूहर, बिहार के तत्वावधान राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय की दूसरे वर्ष की छात्र आयुषी द्विवेदी, रिया मिश्रा और नीलांश पाठक ने प्राप्त किया। छात्र को पटना के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसएन झा द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान में प्रोत्साहन राशि भी दी गयी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को बधाई दी एवं विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया एवं अन्य छात्रों को सीख लेने को कहा। इस मौके पर एडीआर समिति के शिक्षक समन्वयक प्रो हरिश्चंद्र राम, प्रो विनीता काचर, एडीआर समिति संयोजक अंकित राय भी उपस्थित रहे।

लविवि में देशभर के वनस्पतिशास्त्रियों और कृषि वैज्ञानिकों का जमावड़ा आज

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान विषय पर एक आकर्षक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 23-25 नवंबर को किया जा रहा है। यह सम्मेलन लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग और चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन के आयोजक सचिव वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह, और सह-संचालक सचिव प्रो. पीके टंडन, प्रो. गौरी सक्सेना और प्रो. शालिनी श्रीवास्तव हैं।

सम्मेलन में लगभग 12 प्रदेशों से कई प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें मुख्यतः असम, यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, और कश्मीर आदि शामिल हैं। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कृषि में सतत विधियों का अन्वेषण करना, पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करना और स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को समझना है। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश के चुनिंदा प्रतिष्ठित वनस्पति विज्ञानी और कृषि वैज्ञानिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे और पर्यावरण संरक्षण और अनुभवों के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लविवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो एके सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के चेयरमैन डॉ. संजय कुमार है। गुजरात केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरएस दुबे और भारतीय कृषि बायो-केमिस्ट सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एसएल मेहता, महासचिव डॉ जीपी श्रीवास्तव विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेंगे। सम्मेलन में प्रोफेसर अब्सार अहमद, निदेशक इंटरडिसिप्लिनरी नैनोटेक्नोलॉजी केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विवि, अलीगढ़ की-नोट स्पीकर हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

छात्रों को फार्मा सेक्टर में रिसर्च और निवेश को बढ़ाने के विषय में दी जानकारी

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान संस्थान में मंगलवार को दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस, कांफ्रेंस ऑन ड्रग डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी (सीडी4-2023) की शुरुआत लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में नए परिसर के विश्वकर्मा ऑडिटोरियम में शुरू हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी रहे। कांफ्रेंस के संयोजक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथिगणों का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ जीएन सिंह तथा पूर्व डीसीजीआई, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। फ्रांस के प्रो. सर्ज मिगनानी ने अपना कीनोट एड्रेस प्रस्तुत किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कांफ्रेंस की व्याख्या प्रस्तुत की और सम्मानित अतिथिगणों को धन्यवाद दिया तथा देश-विदेश के 1000 से अधिक प्रतिभागियों को इस कांफ्रेंस की उपयोगिता वर्णित की। सत्र के सेशन चेयर मुख्यमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ जीएन सिंह ने फार्मा सेक्टर में रिसर्च एवं इनवेस्टमेंट को बढ़ाने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं से शोध छात्रों को अवगत कराया। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (सीडी4-2023), के पहले दिन 11 साइंटिफिक सेशन का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र के पहले मुख्य वक्ता मेडेइरा विश्वविद्यालय, फ्रांस प्रो डॉक्टर सर्जे ने आंकोलॉजी में नवीन नैनोमेडिसिन के रूप में नैनोड्रग्स को विकसित करने के लिए ट्यूनेबल फॉस्फोरस डेंड्रिमर की महत्ता का विवेचन किया।